

एनआरआईएफ रैंकिंग में आईआईटी इंदौर 15वें व आईआईएम 10वें नंबर पर

बेहतर रैंक के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट पर फोकस

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

इंदौर की शैक्षणिक संस्थाएं अब रिसर्च और डेवलपमेंट पर ज्यादा फोकस कर रही हैं। यही कारण है कि इस साल एनआरआईएफ रैंकिंग में इन संस्थाओं की रैंकिंग पिछले साल के मुकाबले बेहतर हुई है। इस साल ओवर ऑल रैंकिंग में आईआईटी इंदौर जहां 24वें नंबर पर है, वहीं इंजीनियरिंग कॉलेज की रैंकिंग में इसका स्थान 15वां है। पिछले साल के मुकाबले आईआईटी इंदौर की रैंकिंग में एक स्थान का सुधार हुआ है। वहीं आईआईएम इंदौर ने मैनेजमेंट संस्थानों में पिछले साल की रैंकिंग को बरकरार रखते हुए 10वें पायदान पर अपना कब्जा जमाया हुआ है। इन इंस्टीट्यूट्स के प्रशासन का कहना है कि इसका कारण रिसर्च पर ज्यादा ध्यान देना है, क्योंकि रिसर्च ही किसी संस्थान की तरक्की को सुनिश्चित करती है।

स्टूडेंट्स का खींचेगा ध्यान

आईआईटी इंदौर की पब्लिक रिलेशन ऑफिसर डॉ. मृदुला मेनन ने बताया कि आईआईटी इंदौर नया है और यह लगातार तरक्की कर रहा है। टॉप 15 टेक्नीकल इंस्टीट्यूट में जगह बनाता बताता है कि संस्थान बेहतर कर रहा है। इस रैंकिंग से अब तक जहां स्टूडेंट्स आईआईटी के लिए चेन्नई, सिक्री, मुंबई जैसे संस्थानों को चुनते थे, अब उनका ध्यान इंदौर पर भी होगा। हालांकि पिछले सात-आठ सालों में टॉप 1000 रैंक में जगह बनाने वाले स्टूडेंट्स ने भी मुंबई, चेन्नई, रुड़की को छोड़कर आईआईटी इंदौर का चयन किया है। उन्होंने बताया कि संस्थान का फोकस रिसर्च पर ज्यादा है।

करेंगे और सुधार

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इस साल टॉप 150 यूनिवर्सिटी में अपनी जगह



आंत्रप्रेन्योरशिप बढ़ाने पर जोर

आईआईएम इंदौर की मीडिया कॉर्डिनेटर अनन्या मिश्रा ने बताया कि संस्थान का जोर देश में नए उद्यमी बनाने पर है। इसके लिए संस्थान ने हाल ही में इन्व्यूवेशन सेंटर खोला है। साथ ही इस बार पिछले साल के मुकाबले प्लेसमेंट में भी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि सीनियर फैकल्टी का कहना है कि हमने एनआरआईएफ रैंकिंग को मैनरेन रखा है, यह इस ओर इशारा करता है कि संस्थान अपनी गुणवत्ता को बनाए हुए है। इस रैंकिंग से स्टूडेंट्स को फायदा



मिलेगा। साथ ही संस्थान का जोर रिसर्च, स्टार्टअप के क्षेत्र में और विकास करने का है, ताकि अगले साल रैंकिंग और बेहतर हो सके।

बढ़ रही हैं सुविधाएं

आईआईटी इंदौर का मुख्य फोकस रिसर्च पर है। अगर हम अन्य आईआईटी से तुलना करें, तो यहां पर रिसर्च और पब्लिकेशन बहुत बेहतर है। रैंकिंग सुधारने से हाल ही में जिन स्टूडेंट्स ने जोईई का पत्राजम दिया है, वह इसे अपनी शिक्षा के लिए चुनेंगे। पहले के मुकाबले संस्थान का इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी सुधरी है। यही कारण है कि इसकी रैंकिंग बेहतर हुई है और आगे भी और बेहतर होगी।

डॉ. योगेशा पांडेया
आईआईटीयन

प्रेक्टिकल पर ध्यान

रैंकिंग बरकरार रखने के पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि आईआईएम इंदौर स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल नॉलेज पर ज्यादा ध्यान देता है। हाल ही में इन्व्यूवेशन सेंटर शुरू किया है। जहां पर न हम केवल अपने आइडियाज शेयर कर सकते हैं बल्कि हमारे आइडियाज को सेटअप करने में भी यह मदद करता है।

जेसमीन कौर,
आईआईएम स्टूडेंट

इन पैरामीटर पर हुआ निर्धारण

- | | | |
|--------------------------------|-----------------------|----------------------------|
| ■ टीचिंग, लर्निंग एंड रिसोर्स, | ■ प्रोफेशनल प्रैक्टिस | ■ आउटरीच एंड इन्क्लूजिविटी |
| ■ रिसर्च एंड आउटकम | ■ प्रेजुप्शन | ■ परसेप्शन |

टॉप-10 यूनिवर्सिटी	टॉप-10 आईआईटी	टॉप-10 मैनेजमेंट संस्थान
1. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु	1. आईआईटी चेन्नई	1. आईआईएम अहमदाबाद
2. जेएनयू, दिल्ली	2. आईआईटी बांबे	2. आईआईएम बेंगलुरु
3. बीएचयू वाराणसी	3. आईआईटी खडगपुर	3. आईआईएम कोलकाता
4. जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च, बेंगलुरु	4. आईआईटी दिल्ली	4. आईआईएम लखनऊ
5. जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता	5. आईआईटी कानपुर	5. आईआईएम कोडिंडोड
6. अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई	6. आईआईटी रुड़की	6. आईआईटी दिल्ली
7. हैदराबाद यूनिवर्सिटी	7. आईआईटी गुवाहाटी	7. आईआईटी खडगपुर
8. दिल्ली यूनिवर्सिटी	8. अन्ना यूनिवर्सिटी	8. आईआईटी रुड़की
9. अमृता विश्व विद्यापीठम, कोयंबतूर	9. जादवपुर यूनिवर्सिटी	9. जेवियर लैबर रिलेशंस इंस्टीट्यूट जमशेदपुर
10. सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी, पुणे	10. आईआईटी हैदराबाद	10. आईआईएम इंदौर